



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 203]

No. 203]

नई दिल्ली, सोमवार, सितम्बर 14, 1998/भाद्र 23, 1920

NEW DELHI, MONDAY, SEPTEMBER 14, 1998/BHADRA 23, 1920

वाणिज्य मंत्रालय

अधिसूचना

अन्तिम जांच परिणाम

नई दिल्ली, 14 सितम्बर, 1998

विषय : कोरिया गणराज्य, जापान, मलेशिया और ताइवान से पोलिस्टीरीन के आयातों के बारे में पाटनरोधी जांच—अन्तिम जांच परिणाम

12/2/97-एडीडी.—1995 में यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 तथा सीमाशुल्क टैरिफ (डम्प की गई वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आंकलन तथा संग्रहण और क्षति निर्धारण) नियम, 1995 को देखते हुए :

क. प्रक्रिया

1. जांच के संबंध में अधोलिखित क्रिया विधि का पालन किया गया है :—

- निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे इसके पश्चात् प्राधिकारी कहा जाएगा) ने दिनांक 12 मई, 1998 की अधिसूचना के द्वारा प्रारम्भिक जांच परिणाम को अधिसूचित किया और हितबद्ध पक्षों से अनुरोध किया कि इसके प्रकाशन की तारीख से चालीस दिनों के अन्दर लिखित रूप से अपने विचार भिजवा दें।
- प्राधिकारी ने ज्ञात हितबद्ध पार्टियों को प्रारम्भिक निष्कर्ष की प्रति अग्रप्रेषित की, जिनसे अनुरोध किया गया कि इस पत्र की तारीख के चालीस दिनों के अन्दर प्रारम्भिक निष्कर्ष के बारे में अगर उनके कोई विचार हों, तो उन्हें भिजवा दिया जाए।
- प्राधिकारी ने प्रारम्भिक निष्कर्ष की एक-एक प्रति मलेशिया, जापान और कोरिया गणराज्य के नई दिल्ली स्थित दूतावासों और ताइपेई आर्थिक और सांस्कृतिक केन्द्र को भी इस अनुरोध के साथ भिजवाई कि निर्यातकों और अन्य इच्छुक पार्टियों को प्रारम्भिक निष्कर्ष के बारे में अपने विचार प्रस्तुत करने की सलाह दी जाए।
- प्राधिकारी ने सभी इच्छुक पार्टियों को 1 जुलाई, 1998 को मौखिक रूप से अपने विचार व्यक्त करने का अवसर दिया। मौखिक रूप से अपने विचार व्यक्त करने वाली सभी पार्टियों से अनुरोध किया गया कि मौखिक रूप से व्यक्त किए गए विचारों को लिखित रूप में प्रस्तुत किया जाए। पार्टियों को सलाह दी गई कि वे विरोधी पक्ष द्वारा प्रकट किए गए विचारों की प्रतियां प्राप्त करें और उनका खण्डन, अगर कोई हो, तो उसे प्रस्तुत करें।
- प्राधिकारी ने विभिन्न इच्छुक पक्षों द्वारा प्रस्तुत किए गए सभी प्रमाणों के गैर-गोपनीय रूपान्तर वाली सार्वजनिक फाइल को सभी इच्छुक पक्षों को उपलब्ध कराया। वे सभी पार्टियां जिन्होंने निरीक्षण के लिए लिखित रूप से अनुरोध किया था, उन्हें सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण करने की अनुमति दी गई।

- (vi) प्रारम्भिक निष्कर्ष की घोषणा करने से पहले हितबद्ध पक्षों द्वारा दिए गए तर्क, जिन्हें कि अधिसूचित किए गए प्रारम्भिक निष्कर्ष में प्रकाशित किया गया है, उन्हें संक्षिप्तता की दृष्टि से यहां दुहराया नहीं गया है। किन्तु, हितबद्धपक्षों द्वारा उठाए गए मुद्दों पर प्रारम्भिक निष्कर्षों में/या इन निष्कर्षों में समुचित रूप से विचार किया गया है।
- (vii) ऊपर के नियम 16 के अनुसार इन जांच परिणामों के लिए जिन आवश्यक तथ्यों/आधारों पर विचार किया गया उनकी जानकारी हितबद्ध पक्षों को दी गई थी और उसके बारे में प्राप्त टिप्पणियों पर इन निष्कर्षों ने यथोचित रूप से विचार किया गया है।

ख. याचिकाकर्ता के विचार

2. याचिकाकर्ता, पोलिस्टीरीन उत्पादक संघ ने तीन उत्पादकों की ओर से अपने विचार व्यक्त किए हैं, जो कि संक्षेप में निम्नानुसार हैं :—

- (क) ताईवान के निर्यातकों का सामान्य मूल्य ताईवान में एक उत्पादक की सूची की कीमतों से प्रमाणित होता है। मलेशिया और जापान के मामले में सामान्य मूल्य मलेशिया और जापान के पोलिस्टीरीन की सामान्य कीमत से प्रमाणित होता है, जबकि कोरिया गणराज्य के मामले में सामान्य मूल्य एक अग्रणी पत्रिका (आई. सी. आई एस-एल ओ आर) से प्रमाणित होता है। इन देशों से निर्यात कीमत की पुष्टि मुंबई बंदरगाह पर आयातों के लिए सीमाशुल्क की दैनिक सूची में संकलित सूचना से होती है। इस सूचना से इन देशों के निर्यातकों द्वारा पाटन किए जाने की पुष्टि होती है।
- (ख) भारत में पोलिस्टीरीन के उत्पादक सभी प्रकार के एच आई पी एस और जी पी पी एस पोलिस्टीरीन का उत्पादन करते हैं। ई एस सी आर ग्रेड का पोलिस्टीरीन बीएसएसएफ का एकाधिकार नहीं है जैसाकि कुछ हितबद्ध पार्टियों द्वारा दावा किया गया। ई एस सी आर ग्रेड का विनिर्माण भारत में किया जाता है। भारत में एक अग्रणी बहुराष्ट्रीय रेफ्रिजरेटर निर्माता कंपनी, मैसर्स व्हर्लपूल ने इस ग्रेड की जांच की है और वह आयातित ई एस सी आर ग्रेड की जगह पर भारतीय उद्योग द्वारा निर्मित ई एस सी आर ग्रेड का उपयोग कर रहा है। ई एस सी आर ग्रेड के पोलिस्टीरीन की जांच करने के बारे में "बॉस टेस्ट" एक प्रामाणिक जांच नहीं है जैसा दावा कुछ पार्टियों द्वारा किया गया। मैसर्स प्लास्टिक टेक्नोलॉजी लेबोरेट्रीज, इंक, यू. एस. ए. द्वारा की गई जांच "संशोधित बॉस जांच" है।

ग. निर्यातकों, आयातकों और अन्य हितबद्ध पार्टियों के विचार:

निर्यातक

3. आयातकों द्वारा व्यक्त किए गए विचार संक्षिप्त रूप से नीचे दिए गए हैं :—

(क) घरेलू क्षमता के बावजूद भारत में पोलिस्टीरीन के काफी मात्रा में आयात से स्पष्ट रूप से यह संकेत मिलता है कि भारतीय उद्योग सभी प्रकार के पोलिस्टीरीन का उत्पादन नहीं करता है। 1994 तक भारत में पोलिस्टीरीन की मांग आपूर्ति से ज्यादा थी। 1995 से आपूर्ति मांग से ज्यादा हो गई। इसके परिणामस्वरूप बाजार हिस्से के लिए कड़ी प्रतिस्पर्धा हुई जिसके फलस्वरूप घरेलू बाजार में कीमत में ह्रास, क्षमता उपयोग में और आयात में कमी हो गई। भारतीय उत्पादकों द्वारा उत्पादित वस्तुओं की गुणवत्ता घटिया है। भारतीय उत्पादकों को क्षति स्वयं के ही द्वारा हुई जो कि जांच की शुरूआती अवधि के दौरान क्षमता विकास के कारण हुई।

(ख) भारतीय उत्पादकों द्वारा निम्नलिखित ग्रेडों का उत्पादन नहीं किया जाता है :—

- * जापान से आयातित फूलेम रिटार्डेंट पोलिस्टीरीन ग्रेड
- * रेफ्रिजरेटर इनर लाइनों के लिए पोलिस्टीरीन ग्रेड
- * कोरियाई उत्पादकों द्वारा उत्पादित हाई ग्लोस ग्रेड

उपर्युक्त का वर्गीकरण विभिन्न सीमाशुल्क टैरिफ में किया गया है, जिससे यह भी प्रमाणित होता है कि ये अलग-अलग हैं।

(ग) आयात की पहुंच कीमत भारतीय उत्पादकों की बिक्री कीमत से ज्यादा थी।

(घ) भारतीय उत्पादकों को अपने इकनॉमिक्स ऑफ स्केल और लागत ढांचे के कारण हानि हुई। भारतीय उत्पादकों ने स्टीरीन का आयात ऐसी स्थिति में किया है जब कीमतों में तथा आयात शुल्कों में उतार-चढ़ाव की स्थिति थी, जिससे उन्हें क्षति हुई है।

आयातक

4. आयातकों और अन्य हितबद्ध पार्टियों द्वारा व्यक्त किए गए विचार निम्नानुसार हैं :—

- (क) भारतीय उत्पादक सभी ग्रेडों की पोलिस्टीरीन का उत्पादन नहीं करते हैं। भारत में निम्नलिखित ग्रेडों का उत्पादन नहीं किया जाता है।
- ई एस सी सी आर से फ्रेओन एच आई पी एस,
 - एक्सपेंडेबल एच आई पी एस,
 - फूलेम रिटार्डेंट एच आई पी एस,
 - जी एफ रिइनफोर्सड ग्रेड
 - अधिक स्ट्रेच प्रतिरोधी और स्लिप वाले ग्रेड

सुप्रीम पेट्रो केम का ई एस सी आर 2157 ग्रेड "बोस्च टेस्ट" पर खरा नहीं उतरता है जो कि ई एस सी आर निर्धारण के लिए एक मात्र परीक्षण है। सुप्रीम पेट्रो हट्समैन प्रौद्योगिकी को प्रयोग में लाया जाता है जो ई एस सी आर ग्रेड एच आई पी एस का उत्पादन करने में सक्षम नहीं है।

(ख) सुप्रीम पेट्रोकेम के किसी आयातक के साथ संबंधों से वर्तमान जांच ठीक उसी प्रकार प्रभावित नहीं होनी चाहिए जिस प्रकार मैकडोवेल और एल जी केमिकल्स, कोरिया के बीच संबंधों से कोई प्रभाव नहीं पड़ा है। सुप्रीम को इस जांच से अलग नहीं रखा जाना चाहिए। यदि सुप्रीम को अलग रखा है तो एल जी पॉलीमर्स को भी अलग रखा जाए क्योंकि वे भी कोरिया के एक निर्यातक (एल जी केमिकल) से संबंध रखते हैं।

(ग) यह प्रारंभिक निष्कर्ष कि 1994-95 तक भारत में पॉलिस्ट्रीन का केवल एक उत्पादक था, सही नहीं है। वर्ष 1994-95 में पॉलिस्ट्रीन के तीन उत्पादक थे नामतः मैकडोवेल, पॉलिकेम और गुजरात बिनिल। वर्ष 1995-96 में और उसके बाद नई क्षमताएं जोड़ी गईं। प्राधिकारी को जांच अवधि की तुलना वर्ष 1994-95 से पूर्व की अवधि से करनी चाहिए थी। वर्ष 1995-96 को एक संदर्भ अवधि के रूप में लेना प्रासंगिकता नहीं है क्योंकि यह उद्योग पहले ही अस्थिरता की स्थिति में था और नए उत्पादक उत्पादन प्रारंभ कर रहे थे।

(घ) निम्नलिखित तथ्यों के आधार पर भारतीय उद्योग को कोई क्षति नहीं हुई है:—

(1) घरेलू क्षमताओं में जो वृद्धि हुई है वह मांग में वृद्धि से काफी अधिक रही है।

(2) आयातों में गिरावट आयी है और घरेलू विनिर्माताओं के उत्पादन और बिक्री में वृद्धि हुई है।

वर्ष 1994-95 की तुलना में वर्ष 1995-96 में क्षमता उपयोगिता में कमी आयी है (न कि जांच अवधि में) जैसा कि प्रारंभिक निष्कर्षों में प्राधिकारी ने अवधारित किया है। मैकडोवेल ने वर्ष 1994-95 में भी पूर्ण क्षमता में कार्य नहीं किया था।

(3) बिक्री प्राप्ति में गिरावट का कारण भारत में बिक्रेता बाजार का क्रेता बाजार में परिवर्तित होना और कच्ची सामग्री की कीमत में अस्थिरता रहना है।

(4) भारतीय विनिर्माता बाजार में पकड़ बनाए रखने के लिए कीमत प्रतिस्पर्धा और कीमत में कटौती करने में संलिप्त हो गए हैं।

(5) भारतीय विनिर्माता उंची लागत पर प्रचालन करता है क्योंकि उनकी संयंत्र क्षमताएं न्यूनतम मितव्ययी आकार से काफी कम हैं।

(6) भारतीय उद्योग द्वारा दावा की गयी क्षति कीमत में कटौती के परिणामस्वरूप हुई है।

(ङ.) कारणात्मक संबंध के बारे में घरेलू उद्योग बाजार हिस्से में अपनी पकड़ बनाने की दृष्टि से कीमत की कटौती में संलिप्त हो गया है। कीमतों में कटौती करने के कारणों को आयातों से नहीं जोड़ा जा सकता है।

(च) पाटनरोधी शुल्क लगाने से अकुशल भारतीय उत्पादकों को प्रयोज्यता की लागत पर अनुचित कीमत का लाभ मिलेगा।

(छ) यू एस ए से होने वाले आयात संबंध देशों से होने वाले आयातों की तुलना में बहुत ही कम कीमतों पर होते हैं।

घ. प्राधिकारी द्वारा जांच

5. याचिकाकर्ता, निर्यातक, आयात और अन्य हितबद्ध पार्टियों द्वारा प्रस्तुत किए गए अनुरोधों की जांच की गई है, उन पर विचार किया गया और जहां उचित समझा गया है एतदपश्चात् उन पर कार्रवाई की गई है।

ङ. विचाराधीन उत्पाद, समान वस्तुएं, याचिकाकर्ता और घरेलू उद्योग

6. वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद पॉलिस्ट्रीन, क्रिस्टल पॉलिस्ट्रीन (आम तौर पर जनरल पर्पज पॉलिस्ट्रीन अथवा जी पी पी एस के रूप में ज्ञात) और इम्पैक्ट पॉलिस्ट्रीन (आम तौर पर हाईइम्पैक्ट पॉलिस्ट्रीन अथवा एच आई पी एस के रूप में ज्ञात)। एक्सपेंसिबल पॉलिस्ट्रीन (आम तौर पर ई पी एस के रूप में भी ज्ञात) वर्तमान जांच के दायरे से बाहर हैं जो सीमा शुल्क उपशीर्ष 39031100 के तहत वर्गीकृत हैं।

7. ये तर्क दिए गए हैं कि कुछ किस्म के पॉलिस्ट्रीन जैसे फ्लेम रिटार्डेंट/वेदर रेजिस्टेंट पॉलिस्ट्रीन, ई एस सी आर ग्रेड पॉलिस्ट्रीन रेफ्रिजरेटर्स के लिए पॉलिस्ट्रीन के ग्रेड, इत्यादि भारत में नहीं बनाए जाते हैं। तथापि, यह बात नोट की जाती है कि न तो हितबद्ध पार्टियों ने यह दावा किया है कि उनके द्वारा पॉलिस्ट्रीन की इन ग्रेडों/किस्मों की पॉलिस्ट्रीन का आयात किया जा रहा है और न ही उन्होंने उन विशेषताओं को बताया है जिनसे भारत में उत्पन्न की जा रही किस्मों से इन ग्रेडों/किस्मों की भिन्नता का पता चलता हो। इन पॉलिस्ट्रीनों के मूलभूत गुणधर्म, उनके भौतिक स्वरूप, विनिर्माण की प्रक्रिया और प्रोद्योगिकी, कार्य और प्रयोग इत्यादि जो भारत में बनाए जा रहे अन्य किस्मों से इन किस्मों को अलग करते हैं, को भी इन हितबद्ध पार्टियों द्वारा परिभाषित नहीं किया गया है। इस संबंध में हितबद्ध पार्टियों के दावे काफी अस्पष्ट हैं और किसी साक्ष्य द्वारा समर्थित नहीं हैं। अतः इन उत्पादों के बारे में किसी निष्कर्ष पर पहुंचना व्यवहार्य नहीं है।

8. जहां तक भारत में उत्पादित पॉलिस्ट्रीन और संबद्ध देशों से आयातित पॉलिस्ट्रीन की गुणवत्ता और तकनीकी विनिर्देशनों का संबंध है, प्राधिकारी यह बात नोट करते हैं कि किसी भी हितबद्ध पार्टी ने व्यापक भिन्नताओं के बारे में कुछ नहीं बताया है। हितबद्ध पार्टियों द्वारा प्रस्तुत किए गए इस साक्ष्य से कि भारत में उत्पादित पॉलिस्ट्रीन का उपयोग कोई भी उपभोक्ता करना पसंद नहीं करता है। इस बात की पुष्टि नहीं होती है कि यह संबद्ध देशों से निर्यात की जा रही पॉलिस्ट्रीन के स्थान पर तकनीकी अथवा वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापन योग्य नहीं है।

याचिकाकर्ता, स्थिति और घरेलू उद्योग

9. याचिका पॉलिस्ट्रीन प्रोड्यूसर्स एसोसिएशन द्वारा दायर की गई है और इसका निम्नलिखित तीन उत्पादकों द्वारा समर्थन किया गया है:—

(क) सुप्रीम पेट्रोकेम लि.

(ख) हिन्दुस्तान पॉलिमर्स लि. (जो एल जी पॉलिमर्स लि. के रूप में जाना जाता है)

(ग) राजस्थान पॉलिमर्स और रेजिन्स लि.

10. निम्नलिखित कम्पनियों ने भी पॉलिस्ट्रीन का उत्पादन करने की क्षमता सृजित की है :—

(क) पॉलिक्वैम लि.

(ख) गुजरात विनायल लि.

11. किसी पक्ष ने इस बात की पुष्टि नहीं की है कि इन कम्पनियों ने जांच अवधि के दौरान किसी पॉलिस्ट्रीन का उत्पादन किया है।

उक्त कम्पनियों में से किसी ने भी जांच अवधि के दौरान पर्याप्त मात्रा में पॉलिस्ट्रीन का उत्पादन नहीं किया है। अतः जांच अवधि के दौरान पॉलिस्ट्रीन के अधिकांश उत्पादकों द्वारा याचिका का समर्थन किया गया है और याचिकाकर्ता वर्तमान याचिका को दायर करने की स्थिति संबंधी भाषदण्ड को पूरा करता है।

12. मैसर्स सुप्रीम पेट्रोकेम लि. जांच अवधि के दौरान संबद्ध देशों के संबद्ध वस्तु के एक आयातक से जुड़ा हुआ है। मैसर्स एल जी पॉलिमर्स संबद्ध देशों की संबद्ध वस्तु के एक निर्यातक से जुड़ा हुआ है। अतः मैसर्स सुप्रीम पेट्रोकेम लि. और एल जी पॉलिमर्स लि. के नियम 2(ख) के अनुसार घरेलू उद्योग की परिभाषा के क्षेत्र विस्तार से बाहर कर दिया गया है।

13. उपरोक्त को ध्यान में रखते हुए, राजस्थान पॉलिमर्स और रेजिन लि. को उक्त नियम के अर्थ के भीतर घरेलू उद्योग के रूप में माना गया है।

14. पूर्वोक्त और उपरोक्त को देखते हुए प्राधिकारी विचाराधीन उत्पाद सामान वस्तु और घरेलू उद्योग और याचिका दायर करने की याचिकाकर्ता की स्थिति के बारे में प्रारंभिक निष्कर्षों की पुष्टि करते हैं।

च. पाटन

15. ताईवान और मलेशिया के सहयोगी निर्यातकों में से किसी ने भी अनन्तिम निष्कर्षों का प्रत्युत्तर नहीं दिया है।

16. मैसर्स चाई मी कॉर्पोरेशन, ताईवान ने मैसर्स केमोप्लास्ट, नई दिल्ली के माध्यम से प्रत्युत्तर दिया था कि वह सुनवाई में प्रतिनिधित्व करने में समर्थ नहीं है और उसने सुनवाई में उपस्थित होने के लिए केमोप्लास्ट को प्राधिकृत किया। सुनवाई के बाद न तो चाई मी कॉर्पोरेशन ने और न ही केमोप्लास्ट ने कोई लिखित अनुरोध प्रस्तुत किया है।

17. बीएएसएफ, कोरिया ने प्रश्नावली दाखिल करने के लिए समय बढ़ाने का अनुरोध किया। तथापि, निर्यातक ने निर्धारित समय-सीमा के काफी बाद और वास्तव में प्रारंभिक निष्कर्षों के बाद सूचना भेजी है। इसलिए प्राधिकारी ने निर्यातक द्वारा दाखिल किए गए प्रत्युत्तर पर ध्यान नहीं दिया है।

18. इस प्रकार प्राधिकारी नोट करते हैं कि सहयोगी निर्यातकों की तरफ से पाटन के संबंध में कोई अतिरिक्त सूचना अथवा तर्क नहीं दिया गया है। परन्तु, याचिकाकर्ता ने पेट्रोकेमिकल (एम) एसडीएनएचएनडी, मलेशिया द्वारा किए गए दावों के आधार पर प्राधिकारी द्वारा घटिया दर्जे के लिए प्रदान की गई छूट पर आपत्ति की है। याचिकाकर्ता ने यह साक्ष्य प्रस्तुत किया है कि घटिया दर्जे के लिए उक्त छूट अमरीकी डॉलर से अधिक नहीं हो सकती है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि आरम्भिक निष्कर्षों में प्राधिकारी द्वारा स्पष्टतया यह अवधारित किए जाने के बावजूद कि घटिया दर्जे के न्यूनतम बिक्री मूल्य के अपने दावे के समर्थन में निर्यातक द्वारा कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया गया है, निर्यातक द्वारा आरम्भिक निष्कर्षों के बाद भी घटिया दर्जे के लिए उक्त छूट के संबंध में अपने दावे के समर्थन में कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया गया है। इसलिए, प्राधिकारी ने याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत किए गए साक्ष्य के आधार पर घटिया दर्जे की बिक्री के लिए समायोजन करने की अनुमति दी है।

19. पूर्वोक्त और उपरोक्त को देखते हुए प्राधिकारी पाटन-निर्धारण के सम्बन्ध में आरम्भिक निष्कर्षों की पुष्टि करते हैं। निर्धारित किया गया अंतिम पाटन मार्जिन निम्नानुसार है।

क्रम सं.	देश का नाम	कम्पनी का नाम	पाटन मार्जिन (निर्यात-कीमत का प्रतिशत)
1.	मलेशिया	क. पेट्रोकेमिकल (एम) एसडीएन, बीडीएच, मलेशिया * जीपीपीएस टाईप पोलिस्ट्रन * एचआईपीएस टाईप पोलिस्ट्रन	20 35
2.	कोरियाई गणराज्य	कोई कंपनी	22
3.	ताईवान	क. एर्टनल कैमिकल कॉर्पो. लि. * जीपीपीएस टाईप पोलिस्ट्रन * एचआईपीएस टाईप पोलिस्ट्रन ख. अन्य कोई कम्पनी	41 24 88
4.	जापान	कोई भी कम्पनी	27

छ. क्षति और कारणात्मक संबंध

20. प्राधिकारी ने एल.जी. पॉलिमर्स को शामिल न किए जाने के बारे में आयातकों के तर्क को स्वीकार कर लिया है। तदनुसार, एलजी पॉलिमर्स को घरेलू उद्योग के दायरे से अलग रखा गया है।

21. जहां तक अतिरिक्त क्षमता का संबंध है, हालांकि, यह बात सत्य हो सकती है कि क्षमता भारत में मांग की अपेक्षा काफी अधिक बढ़ी है, तथापि प्राधिकारी ने प्रारम्भिक निष्कर्षों में यह नोट किया है कि भारत की कुल मांग में संबद्ध देशों का बाजार हिस्सा जौंच-अवधि में 20% (1995-96 से बढ़कर 38%) तक हो गया है। इस संबंध में प्राधिकारी के निष्कर्षों पर किसी भी हितबद्ध पार्टी द्वारा विवाद नहीं उठाया गया है। प्राधिकारी यह अवधारित करते हैं कि क्षमता में वृद्धि के बावजूद बाजार हिस्से में हुई वृद्धि के परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है।

22. जहां तक पहुंच मूल्य के साथ भारतीय उत्पादनकर्ताओं की बिक्री कीमतों के साथ तुलना का संबंध है, जैसा कि अनन्तिम निष्कर्षों में भी स्पष्ट किया गया है, जौंच-अवधि के दौरान संबद्ध देशों से आयातों का पहुंच मूल्य याचिकाकर्ता की औसत प्राप्ति की अपेक्षा काफी कम था। हितबद्ध पार्टियों ने यह तर्क देते समय अपने दावे के समर्थन में सबूत नहीं दिए हैं कि आयातों का पहुंच मूल्य भारतीय उत्पादकों की बिक्री कीमतों की अपेक्षा अधिक थी। इसलिए इस संबंध में हितबद्ध पार्टियों का तर्क तथ्यात्मक रूप से सही नहीं है।

23. प्राधिकारी यह अवधारित करते हैं कि घरेलू उद्योग को पाटित आयातों से वास्तविक क्षति हुई है और यह निम्नलिखित मानदंडों से स्पष्ट होती है :—

(क) संबद्ध देशों से आयातों के बाजार हिस्से में काफी अधिक वृद्धि हुई है, जिसके परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में कमी आई है।

(ख) घरेलू उद्योग की औसत बिक्री प्राप्ति में काफी अधिक गिरावट आई है,

(ग) घरेलू उद्योग को उत्पादन की उचित लागत की प्राप्ति से रोका गया था, जिसके फलस्वरूप वित्तीय हानियां हुईं।

(अ) अन्तिम निष्कर्ष

24. पूर्वोक्त पर विचार करने के बाद प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि:—

(क) वर्तमान जांचों में विचारधीन उत्पाद पॉलिस्टीन, क्रिस्टल पॉलिस्टीन आमतौर पर जनरल पर्पज पॉलिस्टीन या जीपीपीएस के रूप में ज्ञात तथा इम्पैक्ट पॉलिस्टीन आमतौर पर हीई इम्पैक्ट पॉलिस्टीन या एचआईपीएस के रूप में ज्ञात सीमा-शुल्क उप-शीर्ष 39031100 के अन्तर्गत वर्गीकृत एक्सपेंसिबल पॉलिस्टीन आमतौर पर ईपीएस के रूप में भी ज्ञात वर्तमान जांच के दायरे से बाहर है।

(ख) याचिकाकर्ता मौजूदा याचिका को दाखिल करने की स्थिति के सम्बन्ध में मापदण्ड को पूरा करता है और उक्त याचिका का समर्थन घरेलू उद्योग को हुई क्षति के साक्ष्य से किया गया है।

(ग) कोरिया गणराज्य, ताईवान, जापान और मलेशिया के मूल की या वहां से निर्यातित पॉलिस्टीन का उसके सामान्य मूल्य से कम मूल्य पर भारत को निर्यात किया गया है।

(घ) घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है।

(ङ) संबद्ध देशों के मूल की या वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु क पाटल द्वारा घरेलू उद्योग को क्षति हुई है।

25. प्राधिकारी पाटनरोधी-शुल्क लगाने के संबंध में प्रारम्भिक निष्कर्षों की पुष्टि करते हैं और निम्नलिखित निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं।

क्रम सं.	देश का नाम	कम्पनी का नाम	पाटनरोधी शुल्क (रु. प्र.मी.टन)
1.	मलेशिया	क. पेटोकेमिकल (एम) एसडीएन, बीडीएच, मलेशिया	
		* जीपीपीएस टाईप पोलिस्टन	4360
		* एचआईपीएस टाईप पोलिस्टन	6648
		ख. कोई दूसरी कंपनी	
		* जीपीपीएस टाईप पोलिस्टन	4360
		* एचआईपीएस टाईप पोलिस्टन	6648
2.	कोरियाई गणराज्य	कोई कंपनी	5991
3.	ताईवान	क. एटर्नल कैमिकल कॉर्पो. लि.	
		* जीपीपीएस टाईप पोलिस्टन	1963
		* एचआईपीएस टाईप पोलिस्टन	4463
		ख. अन्य कोई कंपनी	13493
4.	जापान	कोई भी कम्पनी	5871

27. उपरोक्त को देखते हुए प्राधिकारी दिनांक 12-5-1998 के प्रारम्भिक निष्कर्षों की पुष्टि करते हैं।

28. इस आदेश के विरुद्ध अपील उपरोक्त अधिनियम के अनुसार सीमा-शुल्क, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और स्वर्ण (नियंत्रण) अपीलीय न्याधिकरण के समक्ष दायर की जाएगी।

रति विनय झा, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE**NOTIFICATION****FINAL FINDINGS**

New Delhi, the 14th September, 1998

Subject: Anti dumping investigation concerning imports of polystyrene from Korea RP, Japan, Taiwan and Malaysia - Final Findings

12/2/97/ADD.— Having regard to the Customs Tariff Act 1975 as amended in 1995 and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, thereof:

A. PROCEDURE

1. The Procedure described below has been followed:
 - i) The Designated Authority (hereinafter also referred to as the Authority) notified preliminary findings vide notification dated the 12th May, 1998 and requested the interested parties to make their views known in writing within forty days from the date of its publication;
 - ii) The Authority forwarded a copy of the preliminary findings to the known interested parties who were requested to furnish their views, if any, on the preliminary findings within forty days of the date of the letter;
 - iii) The Authority also forwarded a copy of the preliminary findings to the Embassy of Malaysia, Japan and Korea RP and Taipei Economic & Cultural Centre in New Delhi with a request that the exporters and other interested parties may be advised to furnish their views on the preliminary findings;
 - iv) The Authority provided an opportunity to all interested parties to present their views orally on 1st July, 1998. All parties presenting views orally were requested to file written submissions of the views expressed orally. The parties were advised to collect copies of the views expressed by the opposing parties and offer rebuttals, if any;
 - v) The Authority made available the public file to all interested parties containing non-confidential version of all evidence submitted by various interested parties. All parties who made request for inspection, in writing, were allowed to inspect the public file;
 - vi) Argument raised by the interested parties before announcing the preliminary findings, which have been brought out in the preliminary findings notified have not been repeated herein for sake of brevity. However, the arguments raised by the interested parties have been considered in the preliminary findings and/or these findings.
 - vii) In accordance with Rule 16 of the Rules supra, the essential facts/basis considered for these findings were disclosed to known interested parties and comments received on the same have also been duly considered in these findings.

B. PETITIONER'S VIEWS

2. The petitioner, Polystyrene Producers Association has, on behalf of the three

producers, expressed its views, which are briefly as under:

- a) Normal value of the exporters from Taiwan is established from the list prices of a producer in Taiwan. Normal value in case of Malaysia and Japan is established by the average prices of polystyrene in Malaysia and Japan, while normal value in case of Korea RP is established by a leading journal (ICIS-LOR). Export price from these countries is established from the information compiled from the Customs Daily List for the imports at Mumbai port, which account for substantial imports. The information establishes dumping by the exporters from these countries.
- b) Polystyrene producers in India produce all forms of HIPS and GPPS polystyrene. ESCR grade of polystyrene is not a monopoly of BASF as claimed by some interested parties. ESCR grade is manufactured in India. One of the leading multinational refrigerator manufacturer in India, M/s. Whirlpool, has tested this grade and is using the ESCR grade made by the Indian industry in place of imported ESCR grade. With regard to testing polystyrene of ESCR Grade, "Bosch Test" is not a definitive test as claimed by some parties. The test conducted by M/s. Plastic Technology Laboratories, Inc., U.S.A. is "Modified Bosch Test".

C. VIEW OF EXPORTERS, IMPORTERS AND OTHER INTERESTED PARTIES

EXPORTERS

3. The views expressed by the exporters are briefly mentioned below:

- a) Significant imports of polystyrene in India in spite of domestic capacities clearly indicate that the Indian industry does not produce all types of polystyrene. The demand of polystyrene in India until 1994 was more than the supply. Since 1995, the supply has outstripped the demand. This resulted in fierce fight for market share resulting in price erosions in the domestic market, reduction in capacity utilisation and reduction in imports. The quality of goods produced by the Indian producers is inferior. The injury to the Indian producers was self-inflicted caused by capacity development at the start of the investigation period.
- b) The following grades are not produced by the Indian producers:
 - Flame retardant polystyrene grades being imported from Japan,
 - Polystyrene grades for refrigerator inner liners,
 - High gloss grades produced by Korean producers,

The above are classified into different custom tariffs, which also substantiate that these are different grades.

- c) Landed value of imports were higher than the Indian producers' selling prices.
- d) The Indian producers have suffered because of their economics of scale and cost structure. Indian producers import styrene in a situation of fluctuating prices and import duties, which has caused injury to them.

IMPORTERS

4. Views expressed by importers and other interested parties are as under:

- a) Indian producers do not produce all grades of polystyrene. The following grades are not produced in India:
 - ESCR to Freon HIPS,
 - Expandable HIPS,
 - Flame Retardant HIPS & GPPS,
 - Weather Resistant HIPS,

- GF reinforced GPPS,
- Antistatic grades,
- Grades with enhanced scratch resistance and slip.

ESCR 2157 grade of Supreme Petrochem does not pass "Bosch Test", which is the only test for determination of ESCR. Supreme Petro uses Huntsman technology, which is not capable of producing ESCR grade HIPS.

- b) The relationship of Supreme Petrochem with an importer should not influence the present investigations in the same way as the relationship between McDowell and LG Chemicals, Korea has not influenced. Supreme must not be excluded from the investigation. In case Supreme has to be excluded, then LG Polymers must also be excluded as they are also related to an exporter (LG Chemical) from Korea.
- c) The preliminary findings that there was only one producer of polystyrene in India upto 1994-95 are not correct. There were three producers of polystyrene in 1994-95, namely McDowell, Polychem and Gujarat Binyl. New capacities were added in 1995-96 and later. The Authority should have compared the investigation period with the period prior to 1994-95. 1995-96 as a reference period is not relevant as the industry was already in a fluid state with new producers commencing production.
- d) The Indian industry has not suffered any injury, as borne by the following:
 - i) Increase in domestic capacities has been much more than increases in demand.
 - ii) Imports have reduced and the production and sales of domestic manufacturer has increased. Reduction in capacity utilisation is in 1995-96 as compared to 1994-95 (and not in the investigation period, as held by the Authority in the preliminary findings). McDowell did not operate at full capacity even in 1994-95.
 - iii) Decline in sales realisation is due to conversion of seller's market into buyer's market in India and raw material price movements.
 - iv) Indian manufacturers have indulged in price war and price undercutting to capture market.
 - v) Indian manufacturer operates at high cost since their plant capacities are much lower than the minimum economic size.
 - vi) Injury claimed by domestic industry is a result of price undercutting.
- e) With regard to causal link, the domestic industry has indulged in price undercutting with a view to capture market share. The reasons for the price undercutting cannot be attributed to imports.
- f) Levy of anti-dumping duty will give undue price advantage to inefficient Indian producers at the cost of users.
- g) Imports from USA are at much lower prices as compared to the subject countries.

D. **EXAMINATION BY AUTHORITY**

5. The submissions made by the petitioner, exporters, importers and other interested parties have been examined, considered and, wherever appropriate, dealt hereinafter.

E. PRODUCT UNDER CONSIDERATION, LIKE ARTICLES, PETITIONER AND DOMESTIC INDUSTRY

6. Product under consideration in the present investigations is polystyrene, Crystal polystyrene (popularly known as general-purpose polystyrene or GPPS) and impact polystyrene (popularly known as high impact polystyrene or HIPS). Expandable polystyrene (popularly known as EPS also), classified under custom sub-heading 39031100 is beyond the scope of the present investigations.
7. Arguments have been raised that some types of polystyrene, such as flame retardant/weather resistant polystyrene, ESCR grade polystyrene, polystyrene grades for refrigerators, etc. are not made in India. It is, however, noted that neither the interested parties have claims that these grades/types of polystyrene are being imported by them, nor have they brought out features which distinguish these grades/types with the types being produced in India. Even the basic properties of these polystyrenes, their physical appearance, process of manufacturing & technology, function & uses, etc. which distinguish these types from other types being made in India have not been defined by these interested parties. The claims of interested parties on this account are quite vague and unsupported by any evidence. It is, therefore, not feasible to arrive at any conclusion with regard to these products.
8. With regard to the quality and technical specifications of the polystyrene produced in India and polystyrene imported from the subject countries, the Authority notes that none of the interested party has brought out any quantified differences. The evidence presented by the interested parties that one of the consumers does not prefer to use polystyrene produced in India does not establish that the same is not **technically or commercially substitutable** with the polystyrene being exported from the subject countries.

Petitioners, standing and domestic industry:

9. The petition has been filed by Polystyrene Producers Association and is supported by the following three producers:
- (a) Supreme Petrochem Ltd.;
- (b) Hindustan Polymers Ltd. (now known as LG Polymers Ltd.)
- (c) Rajasthan Polymers and Resins Ltd.
10. The following companies also have created capacity for production of polystyrene.
- (a) Polychem Ltd.,
- (b) Gujarat Vinyl Ltd.
11. It has not been established by any party that these companies produced any polystyrene during the investigation period. None of the above companies produced significant quantity of polystyrene during the investigation period. The petition is, therefore, supported by the majority producers of polystyrene during the investigation period and the petitioner satisfies the standing to file the present petition.
12. M/s. Supreme Petrochem Ltd. is related to one of the importers of the subject goods from the subject countries during the investigation period. M/s. LG Polymers is related to one of the exporters of the subject goods from the subject countries. M/s. Supreme Petrochem Ltd. and LG Polymers Ltd. have, therefore, been excluded from the purview of the definition of domestic industry in accordance with Rule 2(b).
13. In view of the foregoing, Rajasthan Polymers and Resin Ltd. has been treated as domestic industry within the meaning of the Rules.

14. In view of the foregoing and subject to above, the Authority confirms preliminary findings with regard to the product under consideration, like article, standing of the petitioner to file the petition and scope of domestic industry.

F. DUMPING

15. None of the co-operating exporters from Taiwan and Malaysia have responded to the provisional findings.
16. M/s. Chi Mei Corpn, Taiwan responded through M/s. Chemoplast, New Delhi that it was not able to represent in the hearing and authorised Chemoplast to attend the hearing. Neither Chi Mei Corpn. nor Chemoplast made any written submissions after the hearing.
17. BASF, Korea requested for extension of time to file response to the questionnaire. The exporter has, however, furnished information significantly after the prescribed time limits and in fact, after the preliminary findings. The Authority has, therefore, disregarded the response filed by the exporter.
18. The Authority thus notes that there is no additional information or argument with regard to dumping from the co-operating exporters. However, the petitioner has objected to the allowance for off-grade granted by the Authority on the basis of the claims made by Petrochemical (M) Sdn. Hnd., Malaysia. The petitioner has furnished evidence that the allowance for off-grade cannot exceed US \$ ***. The Authority notes that the exporter has not furnished any evidence supporting its claim for the allowance for off-grade even after the preliminary findings even though the Authority had very clearly held in the preliminary findings that there is no evidence produced by the exporter in support of its claim of lower sales value of off-grade. The Authority has, therefore, allowed adjustment for off-grade sales on the basis of evidence furnished by the petitioner.
19. In view of the foregoing and subject to above, the Authority confirms preliminary findings with regard to determination of dumping. The final dumping margin assessed are as under:

SN	Name of country	Name of the company	Dumping margin (% of export price)
1.	Malaysia	Petrochemical (M) Sdn. Bhd., Malaysia • GPPS type polystyrene • HIPS type polystyrene	20 35
2.	Republic of Korea	Any company	22
3.	Taiwan	a) Eternal Chemical Co. Ltd. • GPPS type polystyrene • HIPS type polystyrene b) Any other exporter	41 24 88
4.	Japan	Any company	27

G. INJURY AND CAUSAL LINK

20. The Authority has accepted the argument of Importers concerning exclusion of LG Polymers. LG Polymers has been accordingly excluded from the purview of the domestic industry.
21. With regard to excess capacity, while it may be true that capacity increased much more than the demand in India, the Authority has noted in the preliminary findings that the market share of the subject countries in the total demand in India has

increased from 20% (1995-96) to 38% in the investigation period. The findings of the Authority on this account have not been disputed by any interested party. The Authority holds that increase in market share inspite of increase in capacity resulted in material injury to the domestic industry.

22. With regard comparison of landed value with selling prices of Indian producers, as brought out in the provisional findings also, the landed value of imports from the subject countries during the investigation period was significantly lower than the average realisation of the petitioner. The interested parties have not substantiated their claim while arguing that the landed value of imports was higher than the selling prices of Indian producers. The argument of interested parties on this account is, therefore, factually incorrect.
23. The Authority holds that the domestic industry has suffered material injury from dumped imports and the same is evident from the following parameters:
 - a) Market share of imports from subject countries increased significantly, resulting in loss of market share of the domestic industry;
 - b) Average sales realisation of the domestic industry declined significantly;
 - c) The domestic industry was prevented from realising fair cost of production, resulting in financial losses.

H. FINAL FINDINGS

24. The Authority, after considering the foregoing, conclude that:

- (a) Product under consideration in the present investigations is polystyrene, Crystal polystyrene (popularly known as general-purpose polystyrene or GPPS) and impact polystyrene (popularly known as high impact polystyrene or HIPS). Expandable polystyrene (popularly known as EPS also), classified under custom sub-heading 39031100 is beyond the scope of the present investigations;
- (b) Petitioner satisfies the criterion with regard to standing to file the present petition and the petition is supported by evidence of injury to the domestic industry;
- (c) Polystyrene originating in or exported from Korea RP, Taiwan, Japan and Malaysia has been exported to India below its normal value;
- (d) Domestic industry has suffered material injury;
- (e) Injury has been caused to the domestic industry by the dumping of the subject goods originating in or exported from the subject countries.

25. The Authority confirms the preliminary findings with regard to imposition of anti-dumping duty and recommends imposition of definitive anti-dumping duties, as set out below.

SN	Name of country	Name of the company	Anti-dumping duty (Rs. pmt)
1.	Malaysia	a. Petrochemical (M) Sdn. Bhd., Malaysia <ul style="list-style-type: none"> • GPPS type polystyrene • HIPS type polystyrene b. Any other company <ul style="list-style-type: none"> • GPPS type polystyrene • HIPS type polystyrene 	4360 6648 4360 6648
2.	Republic of Korea	Any company	5991

3.	Taiwan	a. Eternal Chemical Co. Ltd. <ul style="list-style-type: none">• GPPS type polystyrene• HIPS type polystyrene	1963 4463
		b. Any other company	13493
4	Japan	Any company	5871

26. Subject to above, the Authority confirms the preliminary findings dated 12.5.1998.

27. An appeal against this order shall lie to the Customs, Excise and Gold (Control) Appellate Tribunal in accordance with the Act Supra.

RATHI VINAY JHA, Designated Authority